बेहतर नागरिक बनाने के लिए जेएनवीयू में 'आनंदम्' पाठ्यक्रम शुरु

पढ़ाई के साथ अब पहले साल के हर सेमेस्टर में छात्रों को करना होगा 64 घण्टे का सोशल वर्क

विश्वविद्यालय की ओर से सत्र 2020-21 में प्रवेशित प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए नियमित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त एक अच्छे नागरिक बनाने के उद्देश्य से आनन्द आधारित शिक्षा आनंदम् कोर्स शुरू किया गया है। विद्यार्थियों को प्रति सेमेस्टर 64 घंटे तक सामाजिक कार्य करने की फाइल, फोटोग्राफ सबमिट करनी अनिवार्य होगी। जिस के आधार पर विद्यार्थी को ग्रेड प्रदान किए जाएंगे। इस कोर्स के तहत मूल कर्त्तव्य को जानने एवं उनकी पालना करने की शिक्षा दी जायेगी। इसके अलावा समाज के लिए जीने, आमजन, गरीबों और बेसहारा की मदद करने की शिक्षा दी जाएगी। इसके लिए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को दो सेमेस्टर में प्रति सेमेस्टर 64 घंटे का सामाजिक कार्य कर उसकी फाईल तैयार करनी होगी।

विवि को विद्यार्थी से अपेक्षा है –

- प्रतिदिन कम से कम सेवा का एक कार्य करना होगा।
- इस सेवा के कार्य को अपने निर्धारित रजिस्टर या व्यक्तिगत डायरी में नोट करना होगा।
- प्रत्येक टर्म में 64 घंटे का एक सामूहिक सेवा प्रोजेक्ट करेंगे।
- आनंदम् प्लेटफार्म पर सामूहिक प्रोजेक्ट की रिपोर्ट अपलोड करना।
- प्रत्येक महीने में एक बार सामूहिक सेवा पर आयोजित होने वाली चर्चा में भाग लेना व प्रस्तुतिकरण करना।
- सत्र समाप्ति का अंत विद्यार्थी को कुछ ना कुछ दान देकर करना होगा।

विद्यार्थी जिम्मेदार नागरिक बन करेगा सेवा कार्य – प्रो. शेरॉन

(आनंदम् पाठ्यक्रम का आरिएंटेशन कार्यक्रम)

माननीय कुलपति प्रो पी सी त्रिवेदी के निर्देशानुसार 12 फरवरी को आनंदम् पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण एवं आमुखिकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सभी विभागों और संकायों के शिक्षकों ने भाग लिया और आनंदम् के उद्देश्यों को समझा और इसे कार्यान्वित करने की पद्धति को सीखा। इस अवसर पर प्राणी शास्त्र विभाग की अध्यक्ष और आनंदम पाठ्यक्रम कोर कमेटी की समन्वयक प्रो. विमला शेरॉन ने कहा कि आनंद जीवन की ऊर्जा है । हम जीवन कमाते नहीं हैं, इसे परमात्मा के उपहार के रूप में प्राप्त करते हैं। इसलिए सभी में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। आज

समाज में चारों और अलगाव और बिखराव बढ़ रहा है। ऐसे में सब अपने अपने तक सीमित हो रहे हैं। ऐसे चुनौतीपूर्ण दौर में युवाओं में कुछ देने का भाव जागृत करने तथा उन्हें अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित और संस्कारित करने के लिए ही आनंदम् पाठ्यक्रम की रचना की गई है। कार्यक्रम में प्रबंधन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नीलम कल्ला ने आनंदम् पाठ्यक्रम के व्यावहारिक कार्यान्वयन से जुड़े नियमों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय में रूसा के नोडल अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने पाठ्यक्रम के तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रारंभ में मनोविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. हेमलता जोशी ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. हितेंद्र गोयल ने किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय आनंदम् पाठ्यक्रम कोर कमेटी के सदस्यों प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ. ओ.पी . टाक, डॉ.. नीलम कल्ला, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. हितेंद्र गोयल, डॉ. ऋषभ गहलोत के अलावा अलग-अलग संकायों के आचार्य एवं शिक्षकों के साथ-साथ विश्वविद्यालय से जुड़े संस्थानों के निदेशक शामिल रहे।

आनंदम् आमुखीकरण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के सायंकालीन अध्ययन संस्थान सभागार में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आनंदम् आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने अपने उद्‌बोधन में जीवन में सकारात्मकता का महत्त्व बताते हुए विद्यार्थियों को उदारता और दयालुतापूर्ण कार्य करने के लिए मार्गदर्शित किया।

उन्होंने कहा कि जीवन में सकारात्मक रहना एवं खुशियाँ बांटना ही आनंदम् है। संस्थान निदेशक प्रो. मीना ने स्वागत किया। मुख्य वक्ता आनंदम् कोर कमेटी की समन्वयक प्रो. विमला शेरॉन व प्रो. प्रवीण गहलोत थे। प्रो. शेरॉन ने विषय की अवधारणा को स्पष्ट किया और प्रो. प्रवीण गहलोत ने आनंदम् विषय के व्यावहारिक पक्ष एवं कार्यविधि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हितेन्द्र गोयल ने किया। कार्यक्रम में आनंदम् कोर कमेटी के सदस्य डॉ. नीलम कल्ला, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. ऋषभ गहलोत व अन्य मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को डायरी में लिखना होगा सेवा कार्य

जेएनवीयू में आनंदम पाठ्यक्रम की कवायद

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जोधपुर ◆ युवाओं को जिम्मेदार व सेवाभावी नागरिक बनाने और उनमें समाज को कुछ देने का भाव जागृत करने के लिए अकादमिक सत्र 2020-21 से आनंदम कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। आनंदम के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रतिदिन सेवा और भलाई से जुड़ा कोई कार्य करके उसे अपनी डायरी में लिखना होगा। विवि ने प्राणी शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. विमला शेरॉन की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है। इसमें उनके अलावा प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ ओपी टाक, डॉ हेमलता जोशी, डॉ नीलम कल्ला, डॉ हितेंद्र गोयल और डॉ ऋषभ गहलोत को सदस्य बनाया गया है। कमेटी प्रत्येक सेमेस्टर में विद्यार्थियों की इस पाठ्यक्रम में सहभागिता बढ़ाने का बढ़ाने का कार्य करेगी तथा इससे संबंधित सामग्री तैयार कर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करेगी। प्रो. शेरॉन ने बताया कि विद्यार्थियों को अपने कार्य को आनंदम प्लेटफार्म पर प्रदर्शित करने का अवसर दिया जाएगा। आगामी दिनों में इससे संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

खबर को विस्तार से पढ़ें
https://bit.ly/3pSMQW

आनंदम पाठ्यक्रम जेएनवीयू में शुरू

जोधपुर/नवज्योति। युवाओं को जिम्मेदार और सेवाभावी नागरिक बनाने और उनमें समाज को कुछ देने का भाव जागृत करने के लिए अकादमिक सत्र 2020-21 से आनंदम कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। राज्य सरकार से प्राप्त दिशा निर्देशों के आधार पर व्यास विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी गई है तथा इसके लिए प्राणी शास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो. विमला शेरॉन की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है। इस कमेटी की अब तक दो बैठकें आयोजित की जा चुकी है। इस कमेटी में प्रो. शेरॉन के अलावा प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ. ओ पी टाक, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ नीलम कल्ला, डॉ हितेंद्र गोयल तथा डॉ ऋषभ गहलोत को सदस्य बनाया गया है। यह कमेटी प्रत्येक सेमेस्टर में विद्यार्थियों की इस पाठ्यक्रम में सहभागिता बढ़ाने का कार्य करेगी।

राजस्थान पत्रिका
जोधपुर, शनिवार, 06 फरवरी, 2021

दैनिक भास्कर
06 फरवरी 2021

विद्यार्थियों को डायरी में लिखना होगा सेवा कार्य

जेएनवीयू में आनंदम पाठ्यक्रम की कवायद

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जोधपुर ◆ युवाओं को जिम्मेदार व सेवाभावी नागरिक बनाने और उनमें समाज को कुछ देने का भाव जागृत करने के लिए अकादमिक सत्र 2020-21 से आनंदम कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। आनंदम के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रतिदिन सेवा और भलाई से जुड़ा कोई कार्य करके उसे अपनी डायरी में लिखना होगा। विवि ने प्राणी शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. विमला शेरॉन की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है। इसमें उनके अलावा प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ ओपी टाक, डॉ हेमलता जोशी, डॉ नीलम कल्ला, डॉ हितेंद्र गोयल और डॉ ऋषभ गहलोत को सदस्य बनाया गया है। कमेटी प्रत्येक सेमेस्टर में विद्यार्थियों की इस पाठ्यक्रम में सहभागिता बढ़ाने का बढ़ाने का कार्य करेगी तथा इससे संबंधित सामग्री तैयार कर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करेगी। प्रो. शेरॉन ने बताया कि विद्यार्थियों को अपने कार्य को आनंदम प्लेटफार्म पर प्रदर्शित करने का अवसर दिया जाएगा। आगामी दिनों में इससे संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

खबर को विस्तार से पढ़ें
https://bit.ly/3pSMQW

जेएनवीयू : 'आनंदम' कोर्स शुरू

जोधपुर. युवाओं को जिम्मेदार और सेवाभावी नागरिक बनाने और उनमें समाज को कुछ देने का भाव जागृत करने के लिए अकादमिक सत्र 2020-21 से 'आनंदम' कोर्स शुरू हो गया। इसके लिए प्राणी शास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो. विमला शेरॉन की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है। कमेटी की दो बैठकें भी हो चुकी हैं। कमेटी में प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ. ओपी टाक, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. नीलम कल्ला, डॉ. हितेंद्र गोयल तथा डॉ. ऋषभ गहलोत को सदस्य बनाया गया है। यह कमेटी हर सेमेस्टर में विद्यार्थियों की इस कोर्स में सहभागिता बढ़ाने का बढ़ाने का कार्य करेगी तथा इससे संबंधित सामग्री तैयार कर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करेगी। प्रो. शेरॉन ने बताया कि 'आनंदम' कार्यक्रम में स्टूडेंट्स को प्रतिदिन सेवा और भलाई से जुड़ा कोई कार्य करके उसे अपनी डायरी में लिखना होगा। विद्यार्थियों को अपने कार्य को आनंदम प्लेटफार्म पर प्रदर्शित करने का अवसर भी दिया जाएगा। शेरोन के अनुसार आनंदम कमेटी के सभी सदस्य इस कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं तथा आगामी दिनों में इससे संबंधित प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे।

कला संकाय अधिष्ठाता ने किया पौधरोपण

जोधपुर/नवज्योति। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के योग केन्द्र द्वारा संचालित पी जी डिप्लोमा इन योग शिक्षा पाठ्यक्रम के शिविर में कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. के एल रैगर ने योग केन्द्र में वृक्षारोपण किया। प्रो. रैगर ने योग शिक्षा के छात्र-छात्राओं को ध्यान का अभ्यास भी करवाया। कार्यक्रम का संचालन योग केंद्र के निदेशक डॉ. बाबूलाल दायमा ने किया तथा अधिष्ठाता का शिविर में आने पर आभार व्यक्त किया।

'विद्यार्थी जिम्मेदार नागरिक बन करेगा सेवा कार्य'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जोधपुर ◆ जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में शुक्रवार को आनंदम पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण एवं आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सभी विभागों और संकायों के शिक्षकों ने भाग लिया और आनंदम के उद्देश्यों को समझा। साथ ही इसे कार्यान्वित करने की पद्धति को सीखा। कार्यक्रमक में प्राणी शास्त्र विभागाध्यक्ष व आनंदम पाठ्यक्रम कोर कमेटी समन्वयक प्रो. विमला शेरॉन ने कहा कि आनंद जीवन की उर्जा है। हम जीवन कमाते नहीं हैं, इसे परमात्मा के उपहार के रूप में प्राप्त करते हैं इसलिए हममें कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। प्रबंधन विभाग की डॉ नीलम कल्ला, विवि में रूसा के नोडल अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत, मनोविज्ञान विभाग की डॉ हेमलता जोशी और अंग्रेजी विभाग के डॉ हितेंद्र गोयल ने भी विचार रखे।

खबर को विस्तार से पढ़ें
https://bit.ly/2N1fHJJ

राजस्थान पत्रिका
11 मार्च 2021

सकारात्मक रहना ही आनंदम

जोधपुर @पत्रिका. जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय सायंकालीन अध्ययन संस्थान सभागार में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आनंदम आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो.प्रवीण चंद त्रिवेदी थे।मुख्य वक्ता आनंदम कोर कमेटी की समन्वयक प्रो.विमला शेरॉन व प्रो.प्रवीण गहलोत थे। प्रो.शेरॉन ने विषय के व्यावहारिक पक्ष एवं कार्यविधि पर प्रकाश डाला।

LINKS TO ANANDAM VIDEOS

https://youtu.be/tJIZGkeFD7Y

https://youtu.be/Fye09p4dD48

Mar 14, 2021 · Jodhpur ·

राज्य सरकार द्वारा शुरू किए नए पाठ्यक्रम "आनन्दम" के तहत शनिवार को एमएससी वनस्पति शास्त्र पूर्वार्द्ध के छात्र-छात्राओं ने विभाग के बोटैनिकल गार्डन की साफ-सफाई की। पौधों को पानी दिया एवं अनावश्यक खरपतवार को हटाया, पुरानी - सूखी डालियों की कटाई - छंगाई की । इस सामूहिक गतिविधि के पश्चात विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा कर आनन्द की अनुभूति होने की बात की। इसी दौरान लिया गया समूह फ़ोटो ।